ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

डॉ. शोभा पालीवाल / Dr. Shobha Paliwal
अकादमिक संयोजक/ Academic Coordinator

दूरभाष/Phone: +91 7387812625

पत्रांक – 062/अका.संयो./2015/ ६५३
दिनांक – 03 जून, 2016

सूचना

सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों/शोधार्थियों/विद्यार्थियों को सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं महादेवी वर्मा सृजन पीठ, रामगढ (नैनीताल) में प्रख्यात साहित्यकार भीष्म साहनी के रचना संसार पर दिनांक 7-8 अगस्त, 2016 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी में भाग लेनेके इच्छुक प्रतिभागी संलग्नक प्रारूप के अनुसार अपना आलेख 17 जून 2016 तक आवश्यक रूप से दिए गए ईमेल पर उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: संगोष्ठी का प्रारूप

3/6/16

(शोभा पालीवाल)

प्रतिलिपि,

1. कुलपति कार्यालय
2. प्रतिकुलपति कार्यालय
3. कुलसचिव कार्यालय
4. कार्यालय प्रति

पोस्टः हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442005 (महाराष्ट्र), भारत
PO: Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hills, Wardha-442 005 (Maharashtra), INDIA
ई-मेल/E-mail:shobhapaliwal95@gmail.com; वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

ज्ञान शांति मैत्री

राष्ट्रीय संगोष्ठी

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
एवं
महादेवी वर्मा सृजनपीठ, रामगढ़ (नैनीताल)
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
(दिनांक 7-8 अगस्त 2016)

भीष्म साहनी का रचना संसार

संगोष्ठी का उद्देश्य एवं महत्व:-

8 अगस्त 1915 को रावलपिंडी में जन्मे स्वतंत्र व्यक्तित्व वाले भीष्म जी गहन मानवीय संवेदना के सशक्त हस्ताक्षर थे। उनकी कहानियों में अंतरविरोधों और जीवन के द्वन्द्वों, विसंगतियों से जकड़े मध्य वर्ग के साथ ही निम्न वर्ग की जिजीविषा और संघर्षशीलता का चित्रण मिलता है। इसके साथ ही सामान्य जन की आशा-आकांक्षा, दु:ख, पीड़ा, अभाव, संघर्ष तथा विडंबनाओं को भी उन्होंने अपने साहित्य से ओझल नहीं होने दिया है। भीष्म जी की सबसे बड़ी विशेषता थी, उन्होंने जिस जीवन को जिया, जिन संघर्षों को झेला उसी का यथावत चित्र अपनी रचनाओं में अंकित किया। वह लेखन की सच्चाई को अपनी सच्चाई मानते थे। नई कहानी में भीष्म जी ने कथा साहित्य की जड़ता को तोड़कर उसे एक ठोस आधार प्रदान किया। जहाँ तक नारी मुक्ति समस्या का प्रश्न है। भीष्म जी ने अपनी रचनाओं में नारी के व्यक्तित्व विकास, आर्थिक स्वतंत्रता, शिक्षा तथा सामाजिक उत्तर दायित्व, आदि के संबंध में उसकी सम्मानजनक स्थिति का समर्थन किया है। एक ओर उनके साहित्य में जहाँ सहदयता व सहानुभूति है वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्वाभिमान की आग भी है। वे पूँजीवादी, आधुनिकताबोध और यथार्थवादी विचार धारा के अंतरविरोधों को खोलते चलते हैं, और देशी-पूँजीवाद भ्रष्टाचार का

पर्दाफाश करते हैं। वे एक ओर आधुनिकताबोध की विसंगतियों और अजनबी पन के विरोध में लडते हैं तो दूसरी ओर रूढ़ियों, अंधविश्वासों वाली धार्मिक कुरीतियों पर प्रहार करते हैं और प्रेमचंद की परंपरा को आगे बढ़ाते दिखाई देते हैं। उन्होंने **'अबला', 'रावी', 'नीली आँखे', 'भाग्यरेखा', 'पटरियाँ', 'वाड.चू', 'शोभायात्रा', 'निशाचर', 'पाली'** जैसी प्रतिनिधि कहानियाँ लिखकर मेरी प्रिय कहानियाँ और प्रतिनिधि कहानियाँ जैसे दस कहानी संग्रहों का सृजन किया। इसके अतिरिक्त **'झरोखे', 'कड़ियाँ', 'तमस', 'बसन्ती', 'मय्यादास की माड़ी', 'कुंतो नीलू नीलिमा नीलोफर'** जैसे उपन्यास लिखे। इसी के साथ उन्होंने **'हानूश', 'कबिरा खड़ा बाजार में', 'माधवी मुआवजे'**, जैसे प्रसिद्ध नाटकों का भी सृजन किया। अपनी इन्हीं कालजयी रचनाओं के कारण भीष्म जी हिंदी साहित्य जगत में युगांतकारी साहित्यकार के रूप में सदैव चिर स्मरणीय रहेंगे।

भीष्मजी के इसी साहित्यिक अवदान पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय एवं महादेवी वर्मा सृजनपीठ, रामगढ़ (नैनीताल) के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 7-8 अगस्त, 2016 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त चार विचार सत्र होंगे, इन सत्रों में इनके कहानी, उपन्यास एवं नाटक साहित्य पर गहन एवं विश्लेषणात्मक चर्चा की जाएगी।

संगोष्ठी में भाग लेने के इच्छुक प्राध्यापकों/शोधार्थियों/विद्यार्थियों से अनुरोध है कि निम्नाकिंत विषयों में से किसी एक विषय पर 2000 – 2500 शब्दों में Kruti Dev 010 फॉन्ट में अपना पूर्ण आलेख दिनांक 17 जून 2016 तक (bhishmasahaniseminar@gmail.com) इस ईमेल पर आवश्यक रूप से भेजने का कष्ट करें। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आलेखों पर विचार नहीं किया जाएगा।

1. भीष्म साहनी का उपन्यास साहित्य: सृजन और संदर्भ
2. भीष्म साहनी का कहानी साहित्य: सृजन और संदर्भ

3. भीष्म साहनी का नाट्य साहित्य: सृजन और संदर्भ
4. भीष्म साहनी का अन्य साहित्य: सृजन और संदर्भ

- संगोष्ठी में भाग लेने वाले चयनित प्राध्यापकों को AC-II का रेल किराया एवं शोधार्थियों/विद्यार्थियों को शयन यान श्रेणी का किराया देय होगा।
- संगोष्ठी से संबंधित अन्य जानकारी के लिए आप अकादमिक संयोजक कार्यालय या 07152-255617 पर संपर्क कर सकते हैं।

शोभा पालीवाल
संयोजक: राष्ट्रीय संगोष्ठी